

म् 2, 1761. परिगतवेदन 12, 12070. परिगत = प्राप्त TRIK. 3, 3, 171. MED. 203. — 5) परिगत (umgeben) erfüllt, in Besitz genommen, behaftet: परिगतः लुधा PĀṆKĀT. I, 53. लुधापरि° MBH. 14, 2717. श्वासकिका° SUÇR. 2, 301, 9. चित्ता° MBH. 3, 15091. 8, 3609. कृती° HIT. I, 128. MRĀKṢH. 8, 11. अथश्मम्° MEGH. 17. भ्रमणापरिगतं भैतम् ÇĀNTIC. 4, 7. — 6) परिगत = ज्ञात (TRIK. 3, 3, 171. MED. t. 203. H. an. 4, 118) gekannt in परिगतार्थे bekannt, vertraut mit Etwas: तदत्र परिगतार्थं कृत्वा पिपुनं ब्रूहि ÇĀK. 93, 20. RAGH. 7, 68. — 7) nach MED. und H. an. ist परिगत auch = वेष्टित vollbracht; nach MED. = विस्मृत vergessen; nach H. an. = लाभ, wofür viell. लब्ध (= प्राप्त erlangt) zu lesen ist. — caus. umlaufen lassen, (eine Zeit) verbringen: तेनाष्टौ परिगमिताः समाः कथंचित् RAGH. 8, 91.

— पुनर् heimkehren: ततः सा नचिरादेव विदर्भानगमत्युनः N. 17, 23. गम्यतां स्वपुनः पुनः R. 1, 58, 5. — Vgl. unter — घा.

— प्र 1) aufbrechen, hingehen zu: तदाश्मपदं द्रष्टुं प्रगम्युः R. 1, 9, 30. प्रगमाय यत्रसौ तिष्ठते मुनिः BRAHMA-P. 53, 14. प्रगतो विलम् MBH. in LA. 47, 18. R. 3, 19, 27. अष्टकस्य वैश्वामित्रेऽश्मेधे सर्वे राजानः प्रागच्छन्त MBH. 3, 13301. schreiten zu, gehen an: प्रो द्रोणे कर्यः कर्मगमन् RV. 6, 37, 2. — 2) es bringen zu: विश्वान्याश्चिना युवं प्र धातान्यगच्छन्तम् RV. 3, 8, 10. — 3) प्रगत auseinanderstehend: प्रगतज्ञानुः AK. 2, 6, 4, 47.

— विप्र auseinandergehen: यद्यागतं विप्रगम्युः MBH. 1, 7372. 3, 8823. 8858. 13, 575. (कृतराकाश मातङ्गाः) विप्रगमुरनोकेषु घना वातकृता इव 6, 2317.

— प्रति 1) entgegengehen: भवतु प्रतिगमिष्यामस्तावत् ÇĀK. 18, 10. PĀṆKĀT. 21, 9. (देवीम्) प्रयतेनात्मना तात प्रतिगम्याभिवादत MBH. 3, 10908. — 2) zurückkehren, heimkehren: प्रतिगम्युष्यागतम् N. 3, 39. MBH. 13, 3503 (med.). R. 1, 9, 12. 11, 19. 4, 9, 57. 53, 12. ÇĀK. 54, 22. DAÇAK. in BENF. Chr. 192, 17. अहं न तान् (लोकान्) वै प्रतिगता MBH. 1, 3668. लङ्कां प्रतिगतः R. 3, 42, 43. 4, 9, 16. 6, 106, 6. VIKR. 94. PĀṆKĀT. 233, 8. P. 2, 1, 14, Sch. गतागतप्रतिगतसंप्रत्याश्या पतिषाम्। गतिभेदः GĀTĀDH. im ÇKDR. u. प्रतिगत. — 3) प्रतिगत dem Gedächtniss entschwunden: तस्य संदिदिहे बुद्धिस्तो दृष्ट्वा तद्विनिर्णये ॥ अर्धोता योगहृन्स्य विद्यां प्रतिगतामिव । R. 5, 18, 18. — Statt मृगं प्रतिगतां स्पृहाम् R. 3, 49, 12. BENF. Chr. 66, 12 ist मृगं प्रति गतां स्पृहाम् zu lesen.

— वि 1) auseinandergehen: त्रेधा विष्टमिव गच्छति AV. 11, 8, 33. अवनितलविगतिश्च भूतसंधैः MBH. 7, 1622. — 2) weggehen; vergehen, verschwinden: विगति बाहुवीर्यं AV. 5, 21, 10. ततो निशा सा व्यगमन्महत्मानो संप्रावतां विप्रसमीरिता गिरः MBH. 14, 1912. समाः सहस्रं व्यगमन् BHĀG. P. 8, 2, 28. विगतं वयः 1, 13, 20. अद्वा च नो मा व्यगमत् M. 3, 259. JĀGṆ. 1, 245. अत्र स्नातस्य भावस्ते मानुषो विगमिष्यति MBH. 18, 109. स मनुष्यव्यगमच्छीघ्रम् 3, 10403. न विगच्छति वैदेह्याः — प्रभा R. 2, 60, 16. 4, 12, 6. BHĀG. 11, 1. GĪT. 11, 33. संध्ययापि सपदि व्यगमि (pass. impers., der Form nach aber vom caus.) ÇIC. 9, 17. Sehr häufig विगत verschwunden, gewichen, = अ priv. am Anfange eines adj. comp.: विगतासु MBH. 7, 1420. नयन blind PĀṆKĀT. 262, 13. संत्रास MBH. 3, 13. ओम्नेकसौहृद SUND. 4, 17. ओज्वर N. 12, 68. ओसकल्प 2, 28. ओक्ताम M. 7, 151. — BHĀG. 6, 14. R. 1, 1, 82. 3, 12, 4. 64, 16. BHARTṚ. 2, 46. ÇĀK. 184. MĀLAV. 17, 9. RĪGĀ-TAR. 5, 20. VID. 46. 337. BHATT. 6, 82. विगत = वीत TRIK. 3, 3, 184. H. an. 3, 297. — 3) विगत hingegangen. gestorben M. 3, 75. — 4) विगत glanzlos AK.

3, 2, 49. TRIK. 3, 3, 184. H. an. 3, 297. — 5) विदूरविगत BHĀG. P. 5, 1, 36 übersetzt BURNOUF durch un homme de l'extraction la plus basse, wörtlich: in weite Ferne weggegangen. — caus. vergehen lassen, verbringen (die Zeit): गद्याप्रातर्विवर्तनेर्विगमयत्युन्निर एव तपाः ÇĀK. 132.

— प्रवि vergehen, schwinden: प्रविगतगद्दोष VARĀH. BRH. S. 12, 19.

— सम् med., selten act. (angeblich als trans. P. 1, 3, 29, Sch. VOP. 23, 14); zu belegen in der älteren Sprache: गच्छै, गमेमहि, गमे, अगमिरन् (RV. 10, 27, 15), अगत 3. sg., अगन्महि, अगस्महि (RV. 1, 23, 23 = 9, 9, 9. während LĀṬI. 2, 12, 13 अगस्महि liest), गिमपीय, गत्य. संगमीय 3. sg. pot. PAT. zu P. 1, 1, 62. समगत und समगस्त, संगतीष्ट und संगंतीष्ट, संगम्यते P. 1, 2, 13, Sch. 7, 2, 58, Sch. VĀRTT. 2. Sch. VOP. 8, 132. 23, 14. 1) zusammenkommen, — treffen; zusammenkommen mit, sich vereinigen mit, sich verbinden mit; freundlich, feindlich, geschlechtlich: येनो संगच्छा उप मा स ज्ञेनात् AV. 7, 12, 1. यत्र द्वाः समगच्छन् विश्वे RV. 10, 82, 6. 1, 183, 5. 10, 97, 6. 191, 2. ÇĀT. BR. 13, 1, 1. 14, 2, 40. संगमानां सु कष्टिषु RV. 1, 74, 2. 119, 3. 10, 14, 8. सं गच्छतां तन्वा 16, 5. सं श्रुतेन गमेमहि AV. 1, 1, 4. 7, 9, 4. VS. 6, 10. 2, 24. सं रायस्योपेण गिमपीय 3. 19. RV. 1, 22, 5. 4, 34, 1. bei Jmd (loc.) AV. 7, 79, 2. सं संगिमे पृथग्रां रयौ अस्मिन् RV. 6, 19, 5. इन्द्र उक्त्वा समगत 1, 80, 16; vgl. 10, 91, 12. geschlechtlich: सं गच्छते कर्ण उच्चियाभिः RV. 9, 93, 2. 1, 164, 8. सं संगिमे महिषा अर्धतोभिः 10, 3, 2. त्मया रेतः संगमानो नि पिच्छत् 61, 7. ÇĀT. BR. 1, 8, 3, 6. — राजर्षयः सर्वे संगताश्च महर्षयः R. 3, 33, 97. SUND. 1, 4. RAGH. 2, 58. BHĀG. P. 1, 9, 11. ये (सिन्धुवितस्ते) समगतां प्रागवैव्यस्वामिनो ऽतिके RĪGĀ-TAR. 5, 97. ध्रुवो चासंगते मम R. 6, 23, 11. काञ्चदृष्टस्वयारण्ये संगत्येह नलः N. 12, 20. संगता MBH. 13, 436. कथं कथयदायादा पुंश्चल्यो मयि संगताः woher haben sie sich an mich geschlossen? BHĀG. P. 8, 9, 9. अन्तर्धृतः समगसि DAÇAK. 69, 13. 93, 12. 17. 137, 18. कनुमता संगतः R. 1, 1, 57. 31, 7. 2, 103, 35. ÇĀK. 88, v. l. VID. 153. KATHĪS. 2, 19. रत्नं रत्नेन संगच्छते Perle reiht sich an Perle sprüchwörtlich so v. a. Gleiches gesellt sich zu Gleichem MRĀKṢH. 14, 5. मन्त्रिसंगत JĀGṆ. 1, 327. परसंगत (feindlich) 325. संगच्छस्व मया सार्धमेकैकैः (feindlich) MBH. 1, 5989. धातुभिः सह संगतः ARĀ. 3, 1. N. 24, 46. R. 2, 50, 3. RĪGĀ-TAR. 5, 257. geschlechtlich: त्वया संगम्य MBH. 3, 17085. R. 1, 48, 22. 37, 23. यस्य भार्या च परसंगता PĀṆKĀT. I, 234. संगमिष्ये त्वया सह MBH. 3, 17119. रच्छत्या सह संगतः M. 8, 378. मत्कैः संगच्छस्व वनैः प्रुमैः so v. a. komm in meine Wälder BHATT. 8, 16. Für das act. haben wir folgende Stellen: सं सूर्यस्य ज्योतिषागम्य AV. 16, 9, 3. देवार्तश्चिन्मनसा सं हि जगुः पतिष्टं ज्ञातं त्वमं दुवस्यन् RV. 3, 1, 13. सं यस्मिन्वश्चा वसूनि जगुः 10, 6, 6. रजो मेघाश्च संगम्युः शस्त्रविद्युद्दिश्रावताः MBH. 6, 5372. रामः समगच्छकुक्षेन R. 2, 30, 20. संगच्छ सह भार्या N. 24, 31. — संगत n. Zusammenkunft, Verbindung, Bündniss, Freundschaft (P. 3, 1, 105. TRIK. 3, 2, 1 (lies: अजर्षी. H. 731) P. 1, 3, 23, VĀRTT. 1. दिष्ट्या मे संगतं त्वया MBH. 3, 14044. गो भूच्छ त्वयि मम संगतं कदाचित् MRĀKṢH. 131, 16. तदा धर्मार्थकामानां त्रयाणां मयि संगतम् MĀRK. P. 21, 69. VIKR. 162. HIT. I, 87. 24, 18. तव पित्रा मम महत्संगतं R. 5, 94, 21. अतः परीक्ष्य कर्तव्यं विशेषात्संगतं रक्तः ÇĀK. 120. यः संगतानि कुरुते मोक्षच्छब्देन मानव M. 3, 140. MBH. 13, 1312. विषयैः संगतं (Verbindung) चास्तु त्यजेय संगतं (Ueb. reinkunft) यदि 14, 175. — 2) sich zusammenziehen, einschnürpfen: वनो संगतगात्रस्तु दुर्दर्शो दु-